



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार द्वारा प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० १४]

नई दिल्ली, गणवार, प्रब्रेष्ट 4, 1992/वैद्व 15, 1914

No. 14]

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 4, 1992/CHAITRA 15, 1914

इस भाग में विभिन्न पृष्ठ संलग्न ही जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

भाग II—जंड 3—उपजंड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

भारत सरकार के मंत्रालयों (एका मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय अधिकारियों (संघ राज्य के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा  
विभिन्न के अस्तरांत बनाए और जारी किये गये साधारण सांविधिक नियम (जिनमें साधारण,  
प्रकार के आदेश, उप नियम आदि सम्मिलित हैं)

General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws etc. of a general  
Character) issued by the Ministries of the Government of India (other  
than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other  
than the Administration of Union Territories)

## योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

(कार्यक्रम कार्यान्वयन विभाग )

नई दिल्ली, 25 मार्च, 1992

मा. का. नि. 56 :—राज्यपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वाग प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए कार्यक्रम कार्यान्वयन विभाग  
में कालाकार के पद पर भर्ती की पद्धति का वित्तियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाए हैं, प्रथमः—

1. सक्षिप्त नाम और प्रागम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम कार्यक्रम कार्यान्वयन विभाग कालाकार भर्ती नियम, 1992 है।

(2) ये गजपत्र के प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमात्र :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमात्र वह होगा जो इन नियमों से उपरांत  
अनुसूची के सम्म 2 से सम्म 4 में विविदिष्ट है।3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और प्राह्वतांग आवृत्ति :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, प्राह्वतांग और उससे संबंधित प्रभ्य बातें वे होंगी  
जो उक्त अनुसूची के सम्म 5 से सम्म 14 में विविदिष्ट हैं।

4. निरहृतांग :—सह व्यक्ति :—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(म) जिसने प्रपत्ते पति या प्रपत्ती पत्नी के जीवित होने हुए, किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पालन नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को आयु स्थीय विधि के प्रधीन अनुज्ञा है और ऐसा करने के लिए अन्य प्राधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट देसकता।

5. शिथिल करने की गतिः—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना प्रवर्यक या समीक्षीय है, वहाँ वह उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकती।

6. अवृत्ति :—इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य विधायकों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा हस सम्बन्ध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूत्पूर्व मैतिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अनिवार्य है।

### अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	सेवा में जोड़ गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेशन) नियम 1972 के नियम 30 के प्रधीन अनुज्ञा है या नहीं
1	2	4	4	5	6	7
कलाकार	2*	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग"	1400-40-1800-द. रो.-	प्रचयन	18 से 25 वर्ष के बीच — केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए पांच वर्ष तक शिथिल की जा सकती है।	नहीं
*कार्यभार के प्राधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	(1992)	प्रराजपत्रित अनुसूचीय	50-2300 रु.			
					टिप्पण :—आयु-सीमा प्रवधारित करने के लिए निर्णायिक तारीख भारत में अध्यविधियों से (उनमें भिन्न जो अंडमान और निकोबार द्वीप तथा लकड़ीप में हैं) प्रावेद्यन प्राप्त करने के लिए नियम की गई प्रनितम तारीख होती। रोजगार कार्यालयों के माध्यम से की जाने वाली भर्ती की दशा में, आयु-सीमा प्रवधारित करने के लिए निर्णायिक तारीख वह प्रनितम तारीख होती जिस तक रोजगार कार्यालय से नाम भेजने के लिए कहा गया है।	

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अहेतुताएं

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए परिवेश की अवधि, यदि कोई हो विहित आयु और शैक्षिक अहेतुताएं प्रोत्साहन व्यक्तियों की दशा में नाम होंगी या नहीं

8 (1) मैट्रिक्युलेशन या समतुल्य ;

9 आयु—नहीं

10 दी वर्ष

(2) नश्शानबीसी/इंजीनियरी/कला, वाणिज्यिक कला या या रंगचित्र/स्थापत्यकला में डिप्लोमा या समतुल्य —

शैक्षिक अहेतुताएं—हो

(3) किसी सरकारी कार्यालय या किसी उपायित्रापत्र प्राप्तवेदन समूक्षान में नश्शानबीसी का तीन वर्ष का अनुभव।

टिप्पण : 1.—अहेतुताएं, अन्यथा सुनिर्दित अध्यविधियों की दशा में कर्मचारी वयस्त आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है।

टिप्पणि : 2.—अनुभव सबंधी अर्द्धता कर्मचारी चयन आयोग/  
सक्षम प्राधिकारी के विवेकानुपार अनुमोदित  
जालियों और अनुचित जनजालियों के अध्य-  
रियों की दशा में सब विधिल वी जा सकती  
है जब चयन के किसी प्रक्रम पर कर्मचारी चयन  
आयोग/सक्षम प्राधिकारी की यह राय है कि  
उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के  
लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समु-  
दायों के अध्यरियों के पर्याप्त सम्भव में उप-  
लब्ध होनेकी संभावना नहीं है।

भर्ती की पद्धति: भर्ती सीधे होगी या प्रोक्षनि द्वारा या प्रतिनियुक्ति,  
स्थानान्तरण द्वारा तथा विविध पद्धतियों द्वारा भर्ती जाने वाली रिक्तियों  
की प्रतिशतता

प्रोक्षनि/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ  
जिनसे प्रोक्षनि/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण/प्रोक्षनि, जिसमें न हो गकरे पर सीधी  
भर्ती होगा।

प्रोक्षनि  
ऐसा ज्येष्ठ नवजानवीम जिसने उस श्रेणी में पांच वर्ष नियमित सेवा  
की है।

#### प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण

केन्द्रीय सरकार के ऐसे अधिकारियों में से जो सदृश पद धारण किए  
शए हैं या 1200-2040 रु के बेननमान में पद धारण किए  
द्वारा हैं और जिन्होंने उस श्रेणी में आर वर्ष नियमित सेवा की है  
और जिनके पास स्तम्भ 8 के अधीन सीधी भर्ती के लिए  
विद्वितीय शैक्षिक अवृत्ताएं और अनुभव हैं।

प्रतिनियुक्ति की भवधि, जिसके प्रारंभित उसी संगठन/विभाग में  
इस नियमित से लीक पहने धारिस किसी अन्य कायर-बाह्य  
पर पर प्रतिनियुक्ति की भवधि है साधारणतया तीन वर्ष से  
अधिक नहीं होगी। )

यदि विभागीय प्रोक्षनि गमिति है तो उसकी सरजना

भर्ती करने में कित परिस्थितियों में सब सौक सेवा आयोग से परामर्श  
किया जाएगा।

समूह "ग" विभागीय प्रोक्षनि गमिति  
(प्रोक्षनि और पुष्टि के लिए) :

उप सचिव ( प्रशासा ) .

—प्रधानमंत्री

उप सचिवाकार ( अनुश्रवण )

सामूह नहीं होता

प्रबर मचिव ( प्रशासा ) या

—मंत्री

अनुभाग प्रधिकारी ( प्रशासा )

**MINISTRY OF PLANNING AND PROGRAMME  
IMPLEMENTATION**

(Department of Programme Implementation)

New Delhi, the 25th March, 1992

G.S.R. 156.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Artist in the Department of Programme Implementation, namely :—

1. Short title and commencement.—These rules may be called the Department of Programme Implementation Artist Recruitment Rules, 1992.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said posts, its classification and the scale of pay attached thereto shall be specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age-limit and qualification etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating

thereto shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualifications.—No person—(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post.
1	2	3	4	5
Artist	2* (192) *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service 'C' Non-Gazetted Non-Ministerial	1400-40-1800-F-B-50-2700	Non-Selection

Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under Rule 30 of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972.	Educational & other qualifications required for direct recruits
6	7	8
Between 18 and 25 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instruction or orders issued by the Central Government).  Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date of receipts of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep) In case of recruitment through the employment exchanges, the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the employment exchanges are requested to forward nominations.	No	<ul style="list-style-type: none"> <li>(i) Matriculation or equivalent;</li> <li>(ii) Diploma in Draughtsmanship/Engineering/Arts, Commercial Art or Painting/Architecture or equivalent;</li> <li>(iii) 3 years experience as Draughtsman in a Government office or private concern of repute.</li> </ul> <p>Note 1: Qualifications are relaxable at the discretion of Staff Selection Commission in the case of candidates otherwise well qualified.</p> <p>Note 2: The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of Staff Selection Commission/Competent Authority in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes, if at any stage of selection, the Staff Selection Commission/Competent authority is of the opinion that sufficient number of candidates from these Communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancy reserved for them.</p>

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in case of promotees.

Period of probation, if any

Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of vacancies to be filled by the various modes.

9

10

11

Age—No. Educational Qualifications—Yes

2 years

Transfer on deputation/promotion/billing which by direct recruitment.

In the case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer is to be made.

12

13

14

Promotion : Group 'C' DPC (for promotion and Confirmation) : Not applicable  
 Senior Draughtsman with 5 year's regular service in the grade.  
 Dy. Secy. (Ad.)—Chairman  
 Transfer on deputation : Dy. Adviser (Monitoring)—Member.  
 F40m Amongst Central Government officers Under Secy. (Ad) or Section holding analogous or post in the scale of Officer (Admin) —Member.  
 Rs. 1200—2040 with 4 years regular service in the grade, and possessing the educational qualifications and experience prescribed for direct recruitment under Col. 8 (Period of deputation including the period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same organisation/Department shall ordinarily not exceed 3 years).

[N-1A-1026/1/86-Admn.]

R.P. NATH, Dy. Secy.

## गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 23 मार्च, 1992

सा. का. नि. 157 :—पंचिवान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एवं द्वारा गृह मंत्रालय [ग्रुप "मी"] (एन एम) भर्ती नियम, 1992 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं :—

1. (1) इन नियमों को गृह मंत्रालय [ग्रुप "ग" पद] भर्ती (संशोधन) नियमावली, 1992 कहा जाए।

(2) वे, सरकारी राजपत्र में उनके प्रकाशित होने की कार्रीख से लागू होंगे।

2. गृह मंत्रालय (ग्रुप "मी" पद) भर्ती नियम, 1990 की संलग्न अनुसूची में,

(क) वरिष्ठ पुस्तकालय परिचर के पद से संबंधित कालम 1 की कम से 1 के सामने विद्यमान प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात् :

## “पुस्तकालय कलर्क”

(ख) वरिष्ठ पुस्तकालय परिचर के पद के लिए वैतन मास से संबंधित कालम 4 की कम से 1 के सामने विद्यमान प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात्  
950-20-1150-इ. रो.- 25-1500/- रुपए

3. गृह मंत्रालय (ग्रुप "मी" पद) भर्ती नियम, 1968 के साथ संलग्न अनुसूची में

(क) कनिष्ठ पुस्तकालय परिचर के पद से संबंधित कालम 2 की कम संख्या 1 के सामने विद्यमान, प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात् ;

## “वरिष्ठ पुस्तकालय परिचर”

[स. ए—12022/3/89—प्रणा. II]

ए. के. तुलो, अवर सचिव

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 23rd March, 1992

G.S.R. 157.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Ministry of Home Affairs [Group 'C'(NM)] Recruitment Rules, 1992.

1. (i) These rules may be called the Ministry of Home Affairs (Group 'C' posts), Recruitment (Amendment) Rules, 1992.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule appended to the Ministry of Home Affairs (Group 'C' posts) Recruitment Rules, 1990.

(a) against Sl. No. 1 in Col. I relating to the post of Sr. Library Attendant, for the existing entry the following shall be substituted, namely :—

"Library Clerk"

(b) against S. No. 1 Col. 4 relating to pay scale for the post of Sr. Library Attendant, for the existing entry, the following shall be substituted, namely :

Rs. 950-20-1150-EB-25-1500.

3. In the Schedule appended to the Ministry of Home Affairs (Group 'D' Posts) Recruitment Rules, 1968,

(a) against Sl. No. 1, Col. 2 relating to the post of Jr. Library Attendant, for the existing entry, the following shall be substituted, namely :

"Senior Library Attendant".

[No. A. 12022/3/89-Ad.II]  
S. K. TULL, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग )

नई दिल्ली, 23 मार्च, 1992

सा. का. नि. 158.—राष्ट्रवानि, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक इतारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय उत्पाद-शुल्क और भूमि सीमाशुल्क विभाग समूह "ग" पद भर्ती नियम, 1979 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाए हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केंद्रीय उत्पाद-शुल्क और भूमि सीमाशुल्क विभाग समूह "ग" पद भर्ती (संशोधन) नियम, 1992 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रकृत होंगे।

2. केंद्रीय उत्पाद-शुल्क और भूमि सीमाशुल्क विभाग समूह "ग" भर्ती नियम, 1979 की अनुसूची में निरीक्षक के पद से संबंधित क्रम संख्यांक 1 के सामने संख्या (13) के नीचे की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रदा जाएगा, अर्थात् :—

"समूह "ग" चयन समिति :

(1) एकल कलकटरी अर्थात् ऐपी कलकटरी जिसमें सम्मिलित काडर नहीं है :—

(1) मुख्यालय कार्यालय में कलकटर अध्यक्ष

(2) मुख्यालय का उप-कलकटर जिसके न हो सकने पर अन्य उपेलनम (मुख्यालय में) जो चयन समिति के अधिवेशन के समय उपलब्ध हो सदस्य

(3) सहायक आय-कर आयुक्त सदस्य

(4) जहाँ ऊपर क्रम संख्यांक (1) से (3) के सदस्यों में से कोई भी सदस्य अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का न हो वहाँ चयन समिति में विभाग से बाहर का एक अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का एक समूह "क" अधिकारी भी एक सहयोगी जित सदस्य होगा।

(2) संयुक्त कलकटरी अर्थात् दो या अधिक कलाठरी जिसमें सम्मिलित काडर है।

(1) कलकटर जो कार्यपालक काडर का नियंत्रण करता है। अध्यक्ष

(2) सम्मिलित काडर कलकटरी का अपर कलकटर/उपकलकटर सदस्य

(3) सहायक आय-कर आयुक्त सदस्य

(4) जहाँ ऊपर क्रम संख्यांक (1) से (3) के सदस्यों में से कोई भी सदस्य अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का न हो वहाँ चयन समिति में विभाग से बाहर का एक अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का एक समूह "क" अधिकारी भी एक सहयोगी जित सदस्य होगा।

[फा. नं. प. 12018/8/91-एड. III-वी.]

आर. के. मित्रा, अवैर मन्त्रिव

टिप्पण :—मूल भर्ती नियम शा. का. नि. 747 दिनांक 5 मई, 1979 द्वारा अधिसूचित किए गए थे नत्यनामान् निम्नलिखित द्वारा घोषित किए गए :

1. सा. का. नि. 5, दिनांक 26-12-1980
2. सा. का. नि. दिनांक 21-06-1980
3. सा. का. नि. 852, दिनांक 28-07-1980
4. सा. का. नि. 993, दिनांक 07-11-1981
5. सा. का. नि. 1150, दिनांक 26-12-1981
6. सा. का. नि. 194, दिनांक 27-02-1982
7. सा. का. नि. 72, दिनांक 13-01-1984
8. सा. का. नि. 527, दिनांक 02-06-1984
9. सा. का. नि. 530, दिनांक 02-06-1984
10. सा. का. नि. 990, दिनांक 22-09-1984
11. सा. का. नि. 1248, दिनांक 15-12-1984
12. सा. का. नि. दिनांक 22-05-1985
13. सा. का. नि. 230, दिनांक 02-04-1988
14. सा. का. नि. 939, दिनांक 03-12-1988
15. सा. का. नि. 595, दिनांक 19-10-1991
16. सा. का. नि. 589, दिनांक 19-10-1991

#### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 23rd March, 1992

G.S.R. 158.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Excise and Land Customs Department Group 'C' posts Recruitment Rules, 1979, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Excise and Land Customs Department Group 'C' Posts Recruitment (Amendment) Rules, 1992.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Central Excise and Land Customs Department Group 'C' Posts Recruitment Rules, 1979, against serial number 1 relating to the post of Inspector, for the entry under column 13, the following shall be substituted, namely —

"Group 'C' Selection Committee :

(i) Single Collectorate, i.e., Collectorates having no common cadre—

(1) The Collector at Headquarters Office : Chairman

(2) The Deputy Collector Headquarters, failing which any other senior-most Deputy Collector (at Head-quarters) available at the time of Selection Committee meeting—Member.

(3) Assistant Commissioner of Income-Tax—Member.

(4) Where none of the members at Serial No. 1 to 3 above belongs to the Scheduled Caste or the Scheduled Tribes a Group 'A' Officer from outside Department belonging to the Scheduled Caste or Scheduled Tribes, shall also associate as a member of Selection Committee."

(II) Composite Collectorates, i.e., two or more collectorates having common cadre.

(1) The Collector who controls the executive cadre : Chairman

(2) Additional Collector/Deputy Collector of the combined cadre Collectorates : Members.

(3) Assistant Commissioner of Income-Tax : Member

(4) Where none of the members at serial No. 1 to 3 above belongs to the Scheduled Caste or the Scheduled Tribes, a Group 'A' officer from outside the Department belonging to the Scheduled Caste or Scheduled Tribes, shall also associate as a member of Selection Committee."

[F. No. A-12018/8/91-Ad.III.B]

R. K. MITRA, Under Secy.

Note : Principal Recruitment Rules were notified vide GSR No. 742 dated 5-5-1979, and subsequently amended vide—

1. G.S.R. 5, dated 26-12-1980
2. G.S.R. dated 21-06-1980
3. G.S.R. 852, dated 28-7-1980
4. G.S.R. 993, dated 07-11-1981
5. G.S.R. 1150, dated 26-12-1981
6. G.S.R. 194, dated 27-02-1982
7. G.S.R. 72, dated 13-01-1984
8. G.S.R. 527, dated 02-06-1984
9. G.S.R. 530, dated 02-06-1984
10. G.S.R. 990, dated 22-09-1984
11. G.S.R. 1248, dated 15-12-1984
12. G.S.R. 200, dated 22-05-1985
13. G.S.R. 230, dated 02-04-1988
14. G.S.R. 939, dated 3-12-1988
15. G.S.R. 595, dated 19-10-1991
16. G.S.R. 589, dated 19-10-1991.

नई दिल्ली, 23 मार्च, 1992

मा.का.नि. 159.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त जिकियों का प्रयोग करते हुए, सीमांशुलक विभाग (समूह "ग") भर्ती नियम, 1979 का और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सीमांशुलक विभाग (समूह "ग") भर्ती (संशोधन) नियम, 1992 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रथम होंगे।

2. भीमाण्डक विभाग (समूह "ग") भर्ती नियम, 1979 को अनुसूची में, "प्रीवेट और निवारक ग्राहिकारी के पदों से संबंधित अम संस्थान 1 और 2 के गामने स्तंभ 13 में, "समूह "ग" विभागीय प्रीतनि समिति" शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

"समूह "ग" चयन समिति"।

[फा. सं. ए-12018/8/91-पशा. III-बी]

आर.के. मित्रा, अवार मचिव

टिप्पणी : मुख्य भर्ती नियम सा.का.नि. 671 दिनांक 12 मई, 1979 के द्वारा अधिसूचित किए गए थे, निम्नलिखित द्वारा संशोधित किए गए हैं :—

1. सा.का.नि. 195 दिनांक 27-2-82
2. „ 529 „ 2-6-84
3. „ 1249 „ 15-12-84
4. „ 1128 „ 7-12-85
5. „ 475 „ 20-6-87
6. „ 966 „ 26-12-87
7. „ 967 „ 26-12-87
8. „ 938 „ 3-12-88
9. „ 597 „ 19-10-91
10. „ 590 „ 19-10-91

New Delhi, the 23rd March, 1992

G.S.R. 159.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the

President hereby makes the following rules further to amend the Customs Department (Group 'C') Recruitment Rules, 1979, namely :—

1. (1) These rules may be called the Customs Department Group 'C' Recruitment (Amendment) Rules, 1992.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the schedule to the Customs Department (Group 'C') Recruitment Rules, 1979, against serial numbers 1 and 2 relating to the posts of Examiner and Preventive Officer respectively, in column 13, for the words "Group 'C' Departmental Promotion Committee" the following shall be substituted, namely :—  
"Group 'C' Selection Committee".

I.F. No. A-12018/8/91-Ad.III.B]

R. K. MITRA, Under Secy.

Note : Principal Recruitment Rules were notified vide G.S.R. 671 dated 12-5-79 and subsequently amended vide :—

1. G.S.R. 195 dated 27-2-1982
2. G.S.R. 529 dated 2-6-1984
3. G.S.R. 1249 dated 15-12-1984
4. G.S.R. 1128 dated 7-12-1985
- 5. G.S.R. 475 dated 20-6-1987
6. G.S.R. 966 dated 26-12-1987
7. G.S.R. 967 dated 26-12-1987
8. G.S.R. 938 dated 3-12-1988
9. G.S.R. 597 dated 19-10-1991
10. G.S.R. 590 dated 19-10-1991.

शहरी विकास मंत्रालय

नई दिल्ली, 23 मार्च, 1992

सा.का.नि. 160.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय निर्माण लोक विभाग (निर्माण महानिदेशक) भर्ती नियम, 1986 का संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (निर्माण महानिदेशक) भर्ती (संशोधन) नियम 1992 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय सोक निर्माण विभाग (निर्माण महानिदेशक) भर्ती नियम, 1986 की प्रतुरूपी के स्थान पर निर्माण भर्ती अनुसूची रखी जायेगी, राखित् :—

### अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बेतनमान	चयन पद अधिकार	सीधी भर्ती किए जाने वाले अवधित पद	व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा
1	2	3	4	5	6	7	केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन)

महानिदेशक (निर्माण) (1992) सेवा, समूह "क" *कार्यभार राजपत्रित के अननुसंचितीय आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	*1	माध्यारण केन्द्रीय सेवा, समूह "क"	(नियन्त्रित)	चयन	लागू नहीं होना	लागू नहीं होना
---	----	--------------------------------------	--------------	-----	----------------	----------------

सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्तर व्यक्तियों की दशा में लागू होगी या नहीं	परिवीक्षा की अवधि, यदि कोई हो
--	--	-------------------------------

8	9	10
---	---	----

लागू नहीं होना	लागू नहीं होता	लागू नहीं होना
----------------	----------------	----------------

भर्ती की पद्धति : भर्ती सीधे होगी या प्रोन्तरि द्वारा या प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में व स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिनियुक्ति	प्रोन्तरि/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में व श्रेणियां जिनसे प्रोन्तरि/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जायेगा।
---	--

11	12
----	----

### प्रोन्तरि

- (क) ऐसा अपर महानिदेशक (निर्माण) जिसने उस श्रेणी में 2 वर्षे नियमित सेवा की है।
- (ख) ऐसा अपर महानिदेशक (स्थानान्तरण) जिसे उस श्रेणी में 2 वर्षे नियमित सेवा की है।

परन्तु सीधी भर्ती द्वारा संविदा पर पद का धारक इसका पात्र नहीं होगा।

ऊपर (1) के न हो सकने पर:—

2—(क) ऐसा अपर महानिदेशक (निर्माण), जिसने अपर महानिदेशक (निर्माण) और मुख्य इंजीनियर (मिलिन/वैद्युत) के रूप में कुल मिलाकर 5 वर्ष नियमित सेवा की है।

(ख) ऐसा अपर महानिदेशक (स्थापत्य कला) जिसने अपर महानिदेशक (स्थापत्य कला) और मुख्य वास्तुविद के रूप में कुल मिलाकर 5 वर्ष नियमित सेवा की है।

टिप्पणि:—(1) प्रोन्नति के लिये पात्रता सूची अधिकारियों द्वारा अपनी अपनी श्रेणियों/पदों में विहित अर्थक सेवा पूरी करने की तारीख के प्रति निर्देश में तेगार की जायेगी।

(2) यदि ऐसे कनिष्ठों की प्रोन्नति के संबंध में विचार किया जाता है जो अपेक्षित वर्गों की सेवा कर चुके हैं तो उम्मेज्येछ अक्षितयों के संबंध में इस बात के होने हुए भी कि उन्होंने सेवा के ग्राहित वर्ग परे नहीं किये हैं,

(3) आयोग के अध्यक्ष या सदस्य में भिन्न किसी सदस्य की अनुपस्थिति में आयोग की कार्यवाहिया अवधिमान्य नहीं होंगी यदि समिति के सदस्यों में से आधे से अधिक बैठक में उपस्थित हैं।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी सत्त्वना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा।

समूह "क" विभागीय प्रोन्नति समिति (प्रोन्नति के संबंध में विचार करने के लिये)

संघ लोक सेवा आयोग में परामर्श करना आवश्यक नहीं है।

1. अध्यक्ष/सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग —अध्यक्ष
2. सचिव, शहरी विकास मंत्रालय—सदस्य
3. सचिव जल भूतल परिवहन मंत्रालय—सदस्य।

[फा. सं. 22011/1/87-ई डल्लू I]

बी. बी. रामानाथन, अवर सचिव

टिप्पणी:—मूल नियम तारीख 22-7-86 के सा.का.नि. संख्या 952(अ) द्वारा प्रकाशित किये गये थे।

MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT

New Delhi, the 23rd March, 1992

G.S.R. 160.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Central Public Works Department (Director General of Works) Recruitment Rules, 1986, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Public Works Department (Director General of Works) Recruitment (Amendment) Rules, 1992.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. For the Schedule to the Central Public Works Department (Dir. General of Works) Recruitment Rules, 1986, the following schedule shall be substituted, namely;

## THE SCHEDULE

Name of post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits
1	2	3	4	5	6
Director General (Works)	1* (1992) *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service Group 'A' Gazetted Non-Ministerial	Rs. 8000/- (fixed)	Selection	Not applicable

Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational qualifications prescribed or direct recruits will apply in the case of promo-tees.	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods
--	---	--	----------------------------	---

7	8	9	10	11
Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not Applicable	Promotion

In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment
---	--	--

12	13	14
----	----	----

1. (a) Additional Director General (works) with two year's regular service in the grade.  
 (b) Additional Director General (Architecture) with two year's regular service in the grade: Provided that a person holding the post by direct recruitment on contract shall not be eligible.  
 (Failing (1) above:—  
 2. (a) Additional Director General (Works) with five year's combined regular service as Additional Director General (Works) and Chief Engineer (Civil/Electrical)  
 (b) Additional Director General (Architecture) with five years combined regular service as Additional Director General (Architecture) and Chief Architect.

Note:—(1) The eligibility list for promotion shall be prepared with reference to the date of completion by the officers of the prescribed qualifying service in the respective grades/posts.

- (2) If a Junior with the requisite years of service is considered the senior will also be considered notwithstanding the fact that he does not possess the requisite years of service.  
 (3) The absence of a Member, other than the Chairman or a Member of the Commission shall not invalidate the proceedings, of the Commission if more than half the members of the Committee had attended, its meeting.

Note—The principal rules were published vide G.S.R. No. 952 (E) dated 22-7-86

[F. No. 22011/1/87-E.W.I]  
 V. V. RAMNATHAN, Under Secy.

जल भूतल परिवहन मंत्रालय

(पोत परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 26 मार्च, 1992

(वाणिज्य पोत परिवहन)

सा.का.नि. 161—केन्द्रीय सरकार, वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 291 और 457 के साथ पठित धारा 296 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, वाणिज्य पोत परिवहन (रेडियो) नियम, 1983 का और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वाणिज्य पोत परिवहन (रेडियो) संशोधन नियम, 1992 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगे।

2. वाणिज्य पोत परिवहन (रेडियो) नियम, 1983 में,—

(1) नियम 2 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जायगा, अर्थात् :—

“2. इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, —

(क) “अधिनियम” से वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) अभिप्रेत है।

(ख) “अनुमोदित” से नौ-सलाहकार, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित अभिप्रेत है।

(ग) “अभिसमय से समय-समय पर यथासंशोधित समुद्र में जीवन सुरक्षा पर अंराष्ट्रीय अभिसमय, 1974 अभिप्रेत है।

(घ) “योजित” से विद्युत द्वारा योजित अभिप्रेत है।

(ङ) “वर्ग ए-1 ए” से उत्सर्जन वर्गों के संबंध में माझलक अव्य आवृत्ति के उपयोग के बिना, सम्पर्क विच्छेद कुंजीयन द्वारा टैलीग्राफी अभिप्रेत है।

(च) “वर्ग ए-2ए” से, उत्सर्जन वर्गों के संबंध में आयाम माझलक अव्य आवृत्ति या श्रव्य आवृत्तियों के सम्पर्क विच्छेद कुंजीयन द्वारा या, यथास्थिति, माझलक उत्सर्जन के सम्पर्क विच्छेद, कुंजीयन द्वारा टैलीग्राफी अभिप्रेत है।

(छ) “वर्ग एच-3 ई” से, उत्सर्जन वर्गों के संबंध में, एक पार्श्व बोड संपूर्ण वाहक टैलीफोनी अभिप्रेत है।

(ज) “वर्ग जे-3 ई” से, उत्सर्जन वर्गों के संबंध में, एक पार्श्व बोड निश्च वाहक टैलीफोनी अभिप्रेत है।

(झ) “वर्ग धार 3 ई” से, उत्सर्जन वर्गों के संबंध में, एक पार्श्व बोड समानीत वाहक टैलीफोनी अभिप्रेत है।

(ञ) “ई पी आर बी” से चल सेवा में आपात स्थिति सूचक रेडियो बीकल अभिप्रेत है।, जिसके उत्सर्जन का आशय खोज और बचाव संकियाओं को सुकर बनाना है।

(ट) “व्यतिकरण” से कोई ऐसा उत्सर्जन, विकिरण या प्रेरण अभिप्रेत है जिससे रेडियो संचालन सेवा या अन्य सुरक्षा सेवाओं के कार्य में अतरा पैदा होता है या जो, इन नियमों के अनुसरण में संचालित रेडियो संचार सेवा को गंभीर रूप से बिगड़ा है, उसमें बाधा पहुंचाता है, या उसमें बारम्बार विघ्न डालता है।

(ठ) “आई.एम.ओ. संपादन मानक” से अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन सभा द्वारा अनुमोदित और प्रकाशित नौ संचालन और रेडियो उपस्कर के लिये संपादन मानक अभिप्रेत है।

(ड) “मील” से 1853-144 मीटर का समुद्री मील अभिप्रेत है।

(ढ) “चल केन्द्र अनुज्ञित” से भारत सरकार के संचार मंत्रालय द्वारा अभिहित समुद्री तरंग दैर्घ्य पर फलक पर समुद्री चल संचार और इलैक्ट्रोनिक संचालन उपस्कर के प्रचालन के लिए जारी की गई अनुज्ञित अभिप्रेत है।

(ण) “रेडियो टैलीग्राफ पोत” से ऐसा कोई यात्री पोत या स्थोरा पोत अभिप्रेत है। जिसका सकल भार 300 टन और उससे अधिक हो और जिसमें पहली अनुसूची की अपेक्षाओं का अनुपालन करते हुए रेडियो टैलीग्राफ संस्थापन की गई है।

(त) “रेडियो टैलीफोन पोत” से ऐसा स्थोरा पोत अभिप्रेत है, जिसका सकल भार 300 टन से कम न हो कितु 1600 टन से कम हो जिसमें दूसरी अनुसूची के उपबन्धों के अनुपालन में रेडियो टैलीफोन संस्थापन की अवस्था की गई है।

(थ) “अनुसूची” से इन नियमों से उपावद्ध अनुसूचियां अभिप्रेत हैं।

(द) “मौन अवधियों” से —

(1) रेडियो टैलीग्राफी के संबंध में तीन मिनट की ऐसी अवधियां अभिप्रेत हैं जिनमें से प्रत्येक 45 मिनट पर आरम्भ होती हैं और प्रत्येक घंटे में 45 मिनट समन्वित सार्वत्रिक समय (यू.टी.सी.) के अनुसार अवधारित किए गए।

(2) रेडियो टैलीफोन के संबंध में, तीन मिनट की ऐसी अवधियां अभिप्रेत हैं जिनमें से प्रत्येक अवधि, प्रत्येक घंटे पर आरम्भ होती है और प्रत्येक घंटे में 30 मिनट समन्वित सार्वत्रिक समय (यू.टी.सी.) के अनुसार अवधारित किये गए।

(ध) बी एच एफ टैलीफोन केन्द्र या बी एच एफ रेडियो संस्थापन से आवृत्ति बोड 156.025-162.025 के भीतर रेडियो उपस्कर अभिप्रेत है।

(2) नियम 3 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

3. पोतों का वर्गीकरण :—जिन पोतों को ये नियम लागू होते हैं उनको निम्नलिखित रूप में वर्गीकृत किया जाएगा, अर्थात् :—

वर्ग 1 : यात्री पोत, जो 250 यात्रियों से अधिक को ले जाते हैं, ऐसे पोत हों जो दो क्रमागत पञ्चांशों के बीच 16 अंडे से अधिक समय तक समुद्र में हैं।

वर्ग 2 : (क) वर्ग 1 में भिन्न यात्री पोत, और (ख) स्थोरा पोत, जिनका सकल टन भार 1600 टन से अधिक है।

वर्ग 3 : स्थोरा, पोत, जिनका सकल टन भार 300 टन से अधिक है किन्तु सकल टन भार 1600 टन से कम है।

(3) नियम 4 में,—

- (1) उपनियम (2) में “और 4” शब्द और अंक का लोप किया जायेगा;
- (2) उपनियम (3) के खंड (i) में “वर्ग 1,2,3 और 4” के शब्दों और अंकों का लोप किया जाएगा।

(4) नियम 5 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा :—

“5. संपादन भानक :—इन नियमों की अनुसूचियों में विनिर्दिष्ट प्रत्येक उपस्कर तृतीय अनुसूची की ओरांताओं और अंतर्गत्त्रीय समुद्री संगठन मानकों का अनुपालन करेगा।

(5) नियम 9 में, “विद्युत धारा एक-दूसरे से स्वतंत्र होगी” शब्दों के स्थान पर “विद्युत धारा पृथक् और एक दूसरे से स्वतंत्र होगी” शब्द रखे जाएंगे।

(6) नियम 10 में,—

- (i) उपनियम (1) के खंड (घ) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(इ) ऐसा होगा कि 1 जुलाई, 1986 के पश्चात् निमित ऐसे पोतों पर जो, सीधे खुले में/डेक पर नहीं जा सकते, वहां से बच निकलने या ऐसे स्टेशन पटुचाने के दो साधनों की व्यवस्था यी जाएगी। इनमें से एक गवाक्ष या पर्याप्त श्राकार की छिह्की हो सकती है, जिसमें आपात बच निकलने के पर्याप्त साधन हों।”

- (ii) उपनियम (6) में परंपुक का लोप किया जाएगा।

- (iii) उपनियम (9) में, “रेडियो टेलीग्राफ कक्ष” शब्दों के स्थान पर “रेडियो टेलीग्राफ और रेडियो टेलीफोन कक्ष” शब्द रखे जाएंगे।

- (iv) उपनियम (9) में, खंड (ii) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(iii) द्वितीय अनुसूची के भाग II में विनिर्दिष्ट रेडियो टेलीफोन संचेतक संकेत जनन युक्ति”।

(v) उपनियम (10) में, दोनों स्थानों पर जहां-जहां वे आते हैं, “रेडियो टेलीग्राफ” शब्दों के स्थान पर “रेडियो टेलीग्राफ और रेडियो टेलीफोन” शब्द रखे जाएंगे।

(7) नियम 11 के उपनियम (i) के खंड (ख) में, “फालतू प्रियल” शब्दों के स्थान पर “समस्य विद्युत अभिलक्षण का फालतू प्रियल” शब्द रखे जाएंगे।

(8) नियम 12 के उपनियम (i) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“1. इन नियमों के पूर्वगामी उपबंधों के अनुसरण में जिन रेडियो टेलीग्राफ ट्रांसमीटरों की व्यवस्था की गई है उनका सामान्य परामर्श, मुख्य प्रियल से संयोजित करने पर नीचे की सारणी में विविध परामर्श से कम नहीं होगा :—

#### सारणी

पोत का वर्ग	मीलों में व्युत्तम मुख्य सामान्य परामर्श द्वांसमीटर	विद्युत द्वांसमीटर
I और II	150	100
III	100	75

(9) नियम 13 में,—

(i) उपनियम (3) में खंड (ग) में, उपखंड (घ) के पश्चात् निम्नलिखित उपखंड अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

“(इ) बी. एच. एफ. संस्थापन को चलाने के लिए अपेक्षित धारा।

(ब) रेडियो टेलीफोन संचेतक संकेतों के जनन के लिए अपेक्षित धारा।”

(ii) उपनियम (4) में खंड (ड) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किए जाएंगे अर्थात् :—

(ब) घारवी अनुसूची की अपेक्षा का प्रत्यालन करने वाला बी. एच. एफ. रेडियो टेलीफोन संस्थापन।

(छ) द्वितीय अनुसूची की अपेक्षा का प्रत्यालन करने वाला रेडियो टेलीफोन संचेतक संकेत जनित्र, जहां इसकी आरक्षित संस्थापन में व्यवस्था की गई है।

(iii) उपर्याम (5) में “वर्ग 3 या वर्ग 4 के किसी पोत” शब्दों और अंकों के स्थान पर “किसी स्थोरा पोत” शब्द रखे जाएंगे;

(10) नियम 15 में—

(i) उपनियम (1) के खंड (ग) में और वर्ग 4 शब्दों और अंक का लोप किया जाएगा—

(2) उपनियम (2) में खंड (ख) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(ख) वर्ग 2 और वर्ग 3 पोत—एक रेडियो अधिकारी”।

(11) नियम 16 में—

(i) उपनियम (1) में, “प्रथम या द्वितीय श्रेणी का रेडियो टेलीग्राफ; प्रचालक प्रवीणता या सक्षमता,

प्रमाणपत्र” शब्दों के स्थान पर “विधिमान्य रेडियो संचार प्रचालक साधारण प्रमाणपत्र या ममद्वीचन मेवा के लिए, प्रथम या द्वितीय श्रेणी रेडियो प्रचालक प्रवीणता या सक्षमता प्रमाणपत्र” शब्द रखे जाएँगे।

- (ii) उपनियम (2) में “जो भारत में कुछ समय के लिए प्रवृत्त किसी कानून द्वारा प्रमाणित किया गया है”, शब्दों के स्थान पर जो “भारत में नतमय प्रवृत्त किसी कानून द्वारा प्रमाणित किया गया है, या ममद्वीचन मेवा के लिए रेडियो संचार प्रचालक साधारण प्रमाणपत्र” शब्द रखे जाएँगे।
- (iii) उपनियम (1) में—(क) “अन्यून” शब्द के स्थान पर “6 मास में अन्यून” शब्द रखे जाएँगे।  
(ख) खंड (क), (ख), (ग) और (घ) का नाम किया जाएगा।
- (iv) उपनियम (5) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्—  
“(6) (क) प्रत्येक रेडियो अधिकारी के पास, इन नियमों के उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट प्रमाणपत्रों के अनिरिक्त, इस उपनियम के अनुसार जारी किया गया पृष्ठांकन प्रमाणपत्र होगा।  
(ख) प्रत्येक रेडियो अधिकारी पृष्ठांकन प्रमाणपत्र का पाल होगा, परन्तु यह नब जब उसके पास :—  
(i) बाह्यवी अनुसूची में विनिर्दिष्ट अनुमोदित पृष्ठांकन पट्ट्यक्रम में उपस्थिति प्रमाणपत्र हो।  
(ii) एम. एम. (मास्टर और मैटपर्सीक्षा) नियम, 1985 के नियम 12 में विनिर्दिष्ट निम्नलिखित प्रमाणपत्र होः  
(क) प्राथमिक उपचार प्रमाणपत्र।  
(ख) ग्रनिशन प्रवीणता प्रमाणपत्र।  
(ग) जीवन रक्षायान प्रवीणता प्रमाणपत्र।  
(ग) पृष्ठांकन प्रमाणपत्र के लिए पाल प्रत्येक रेडियो अधिकारी, बाह्यवी अनुसूची में विहित प्ररूप में, प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक सामुद्रिक विभाग को आवेदन करेगा और 100 रु. की फीस का संदाय करेगा।  
(घ) यदि प्रधान अधिकारी का समाधान हो जाता है तो वह बाह्यवी अनुसूची में यथाविनिर्दिष्ट पृष्ठांकन प्रमाणपत्र जारी करेगा।
- 12. नियम 17 में, उपनियम (j) के खंड (ख) के उपखंड (ii) में “2, 3 और 4” अंकों और शब्द के स्थान पर “2 और 3” अंक और शब्द रखे जाएंगे।

### 13. नियम 18 में—

(i) उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

(1) किसी रेडियो टेलीग्राफ पोत के फलक पर प्रत्येक रेडियो अधिकारी, जबकि वह समुद्र में है, पोत पर उस स्थान पर जहां से सामान्यतः पोत का संचालन किया जाता है, रेडियो टेलीफोन संकट आवृत्ति निगरानी रिमोट के उपयोग द्वारा रेडियो टेलीफोन संकट आवृत्ति की ओर किसी रेडियो अधिकारी द्वारा नियम 17 के उपबंधों के अधीन रहते हुए हैंडफोन या लाउड स्पीकर का उपयोग करके रेडियो टेलीग्राफ संकट आवृत्ति की लगातार निगरानी रखेगा। ऐसी निगरानी विनिर्दिष्ट कार्य घंटों के दौरान सभी अवसरों पर गद्वी जाएगी, परंतु; जब रेडियो अधिकारी में, इन नियमों के अनुपालन में या वाणिज्य पोत परिवहन दिशा (प्रत्वेणी) नियम 1968 के अनुपालन में अन्य कर्तव्य करने की अपेक्षा की जाती है या जब उसमें अन्य आवृत्तियों पर यातायान संभालने की अपेक्षा की जाती है तब रेडियो निगरानी लाउडस्पीकर वाले अभिग्रहण द्वारा गद्वी जा सकेगी या यदि लाउडस्पीकर वाला अभिग्रहण असाध्य हो तो ऐसी अवधि के दौरान रेडियो निगरानी उस अवधि के अंतर्गत आने वाली मौन अवधियों के दौरान के सिवाय छोड़ी जा सकेगी।

(ii) उपनियम (4) के खंड (छ) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अन्तःस्थापित किए जाएँगे अर्थात् :—

“(ज) रेडियो टेलोग्राफ और रेडियो टेलीफोन स्ववानित संचेतक उपस्कर की दशना का परोक्षण।

(झ) संकट आवृत्ति पर कृतिप एरियल से रेडियो टेलीफोन ट्रांसमीटर का दिन में कम में कम एक बार परीक्षण।”

### 14. नियम 21 में, उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(1) प्रत्येक रेडियो टेलीफोन पोत में एक एरियल किट किया जाएगा और यदि मुख्य ट्रांसमीटर एरियल आधारित तार एरियल नहीं है तो समाव्य विद्युत अभिलक्षण के एक ऐसे फालतू एरियल की व्यवस्था की जाएगी, जो आवश्यक सामग्री और ऐसे अन्य माध्यनों से पूर्ण होगा जिससे वह पोत के समुद्र में रहते पर शीघ्रता से लगाया जा सके।”

### 15. नियम 23 में—

(क) उपनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(2) विद्युत ऊर्जा के आरक्षित ऋत, अधिमानत बैटरियों को पोत में इतनी ऊर्जाई पर रखा जाएगा जितनी साध्य हो और उनकी इतनी क्षमता होगी कि वे निरंतर छह घंटे के लिए निम्नलिखित के योग के बराबर कुल धारा विद्युत ऊर्जा की पूर्ति कर सकें।

- (i) उस आवृत्ति पर वाक् पारेषण के लिए जिस पर ट्रांसमीटर की धारा खपत अधिकतम पर है, रेडियो टेलीफोन ट्रांसमीटर के प्रचालन के लिए अपेक्षित धारा का आधा।
- (ii) उन सभी अतिरिक्त भारों की जिसे बैटरी संकट या आपात स्थिति के समय ऊर्जा का प्रदाय करेगी, धारा खपत।
- (iii) वी. एच. एफ. रेडियो टेलीफोन की धारा खपत।
- (iv) नियम 24 के “अनुमत्रण में जिस विद्युत दीप की व्यवस्था की गई है, उसके द्वारा अपेक्षित धारा।”
- (ख) उपनियम (4) के खंड (ख) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—
- “(ग) वी. एच. एफ. रेडियो संस्थापन”।

16. नियम 24 में,—खंड (च) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

- “छ) रेडियो टेलीफोन केन्द्र पर निम्नलिखित के समुचित कार्य की जांच पड़ताल करने के लिए, माध्यमों की व्यवस्था की जाएगी :
- (1) रेडियो टेलीफोन संचेतक संकेत जनन युक्ति है मुनिश्चित करके कि युक्ति समाधान प्रदर्शन में रेडियो टेलीफोन ट्रांसमीटर को मांडुलित कर सकती है। ऐसे साधन मुक्त लोड का उपयोग करेंगे जिससे यह सुनिश्चित हो कि ऐसी जांच पड़ताल के दौरान कोई संकेत विकिरित न हो।
- (ii) रेडियो टेलीफोन संकट आवृत्ति निगरानी रिमीवर या रेडियो टेलीफोन स्वचालित संचेतक के चुपकारी परिपथ।”

17. नियम 25 के उपनियम (2) में “प्रथम श्रेणी” शब्दों के स्थान पर “रेडियोसंचार प्रचालक साधारण प्रमाणपत्र या प्रथम श्रेणी” शब्द रखे जाएंगे।

18. भाग 4 और नियम 29, 30 और 31 के स्थान पर निम्नलिखित भाग और नियम रखे जाएंगे, अर्थात् :—

“भाग-V-वी.एच.एफ. रेडियो टेलीफोन संस्थापन।” 29-वी.एच.एफ. रेडियो टेलीफोन संस्थापन :—

सभी याकी पोतों और सभी स्थोरा पोतों में घ्यारहवीं अनुसूची की अपेक्षाओं का अनुपालन करने हुए एक वी.एच.एफ. रेडियो टेलीफोन संस्थापन फिट किया जाएगा। ऐसे संस्थापन में ऊर्जा के मुख्य और आरक्षित लोत की व्यवस्था की जाएगी।

30(1) वी. एच. एफ. रेडियो संस्थापन पोत के ऊपरी भाग में होगा और वी. एच. एफ. चैनलों का नियंत्रण, उस स्थान से जहां से पोत का संचालन किया जाता है, तुरंत उपलब्ध होगा।

(2) प्रत्येक वी. एच. एफ. प्रचालन स्थान पर संकट आत्यमिकना और सुरक्षा प्रक्रियाओं का स्पष्ट संक्षिप्त विवरण देने वाला एक अनुदेश कार्ड प्रदर्शित किया जाएगा।

31. प्रत्येक भाइंटीय पोत, जिसमें हन विनियमों के अनुसार वी.एच.एफ. रेडियो टेलीफोन मंस्थापन की व्यवस्था की गई है, जब समृद्ध में हो, तब वी.एच.एफ. संकट आवृत्ति 156-800 एम.एच. जैड. (वी.एच.एफ. चैनल 16) पर नौ संचालन पुल पर तिरंतर श्रवण निगरानी बनाए रखेगा। श्रवण निगरानी

(क) तब बन्द की जा सकेगी जब अभियाही का प्रयोग 156-800 एम.एच. जैड से भिन्न किसी आवृत्ति पर यातायात के लिए किया जा रहा है।

(ख) तब बन्द की जा सकेगी जब मान्टर की राय में ऐसी निगरानी से पोत की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, पोत की लांग में श्रवण निगरानी बन्द करने के समय की ओर उन परिस्थितियों की जिनमें पोत की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने वाला था और जब श्रवण निगरानी पुनः आरम्भ करने के समय की एक प्रविष्टि की जाएगी। इस निगरानी के दौरान वी.एच.एफ. रेडियो टेलीफोन संस्थापन से प्राप्त या पारेषण संकट, और सुरक्षा यातायात में संबंधित सभी संसूचनाओं का संक्षिप्त विवरण रखा जाएगा।”

19. पहली अनुसूची में :—

(I) भाग i, भाग ii, भाग iii, भाग iv, भाग v, और भाग vi, में ‘ए 1’, ‘ए 2 एच’, ‘ए 3’, ‘ए 3 एच’ और “ए 3 ए” उत्सर्जनों के स्थान पर, जहां कहीं वे आते हैं, क्रमशः “ए 1। ए”, “ए 2 ए”, “एच 2ए”, “ए 3 ई” “एच 3ई” और “आर 3ई” उत्सर्जन रखे जाएंगे।

(iii) भाग 1 के पैरा 2 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“2 आवृत्ति परास और उत्सर्जनों के वर्ग :—

ट्रांसमीटर रेडियो विनियम में नियत उत्सर्जन वर्गों का उपयोग करके रेडियो टेलीफ्रांक संकट आवृत्ति और प्राधिकृत बैंड में कार्यसंचालन आवृत्तियों पर 405 किलोहर्ट्स और 535 किलोहर्ट्स के बीच पारेषण करने में समर्थ होगा।”

(iii) भाग I के पैरा 5 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“5. निश्चित ट्रांसमीटर की शक्ति 125 मीटर ऐम्पियर से कम नहीं होगी परंतु एच 2 ए उत्सर्जन का उपयोग करके 500 किलोहर्ट्स पारेषण करने वाले स्वावलंबी ऐरियल की दृश्य में ऐसी शक्ति 175 ऐम्पियर से कम नहीं होगी।”

(iv) भाग I के पैरा 9 में “एक हजार” शब्दों के स्थान पर “दो सौ” शब्द रखे जाएंगे।

(v) भाग I के पैरा 13 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“13 ट्रांसमीटर का विकिरण के बिना परीक्षण करने के लिए कृतिम एरियल (मृक लोड) लगाया जाएगा।”

(vi) भाग I के पैरा 14 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“14 सूचक उपकरण : ट्रांसमीटर और ऐरियल परिपथ द्वारा पारेषित की जा रही आर.एफ. धारा को पढ़ने के लिए ट्रांसमीटर में सूचक लगाया जाएगा।”

(vii) भाग II में—

(क) पैरा 1 के उपर्युक्त (2) और (3) का लोप किया जाएगा।

(ख) पैरा 2 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“2. अभिग्राही, रेडियो विनियमों के अनुसार उत्सर्जनों पर 100 के. एच. जैड से 30 एम. एच.जैड आवृत्ति पराम के भीतर संकेत प्राप्त करने में समर्थ होगा।”

(ग) पैरा 4 के उपर्युक्त (4) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(4) किसी आवृत्ति का ममस्वरण 5 सेकंड के भीतर होना चाहिए।”

(20) भाग III में—

(क) पैरा 2 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“2. ट्रांसमीटर, रेडियो विनियम के अनुसार उत्सर्जनों पर 500 किलोहर्ट्स की रेडियो टेलीफोन संकट आवृत्ति पर पारेपण करने योग्य होगा,”

(ख) पैरा 4 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“4. ट्रांसमीटर की शक्ति 70 मीटर एम्पियर से कम नहीं होगी परंतु स्वावलंबी ऐरियल की दशा में ऐसी शक्ति 100 मीटर एम्पियर होगी।”

(ग) पैरा 8 में “1000” अंक के स्थान पर “200” अंक रखा जाएगा।

(घ) पैरा II के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“II. ट्रांसमीटर का विकिरण के बिना परीक्षण करने के लिए कृतिम ऐरियल (मृक लोड) लगाया जाएगा।”

(21) द्वितीय अनुसूची में—

(i) भाग I, भाग II, और भाग III में “ए 3”, “ए 3 एच”, “ए 3 ए” और “ए 3 जे” शब्दों के स्थान पर जहाँ-जहाँ वे आते हैं, क्रमशः “ए 3 ई”, “एच 3 ई”, “आर 3 ई” और “जे 3 ई” शब्द रखे जाएंगे।

(ii) पैरा 2 के उपर्युक्त (1) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(1) उपस्कर, रेडियो विनियमों के अनुसार 2182 किलोहर्ट्स पर रेडियो टेलीफोन संकट आवृत्ति पर और आवृत्ति बैंड 1605 से 3800 किलोहर्ट्ज के भीतर प्रचालन क्षेत्र के भीतर लागू अन्य समूचित आवृत्तियों पर पारेपण करने में समर्थ होगा।”

(iii) पैरा 3 के उपर्युक्त (1) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(1) ट्रांसमीटर, रेडियो विनियमों में विनिर्दिष्ट आवृत्तियों पर पारेपण करने में समर्थ होगा।”

(10) पैरा 5 के उपर्युक्त (2) और (3) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(2) किसी भी आवृत्ति पर अधिकतम शिव्वर अन्वालोपी शक्ति 60 वॉट और 400 वॉट के बीच होनी।”

(5) पैरा 5 के उपर्युक्त (8) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(8) ट्रांसमीटर 40 एच. जैड से अनधिक की आवृत्ति सहायता बनाए रखेगा।”

(22) चतुर्थ अनुसूची का लोप किया जाएगा।

(23) दसवीं अनुसूची के पश्चात् निम्नलिखित अनुसूचियां अंतःस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

ग्यारहवीं अनुसूची

[नियम 13(4) देखिए]

वी. एच. एफ. रेडियो टेलीफोन संस्थापन।

(1) परिभाषा :

इस अनुसूची में “उपस्कर” अभिव्यक्ति के अंतर्गत वी. एच. एफ. रेडियो टेलीफोन ट्रांसमीटर और अभिग्राही आता है।

(2) वी. एच. एफ. की व्यवस्था :

(i) वी. एच. एफ. रेडियो टेलीफोनी संस्थापन पोत के ऊपरी भाग में होगा और वी. एच. एफ. चैनलों का नियंत्रण, उन स्थानों से जहाँ से पोत का मायान्यत्व संचालन किया जाता है, मुविधाजनक पृष्ठ पर तुरंत उपलब्ध होगा।

(ii) प्रत्येक वी. एच. एफ. प्रचालन स्थान पर संकट, आत्यधिकता और सुरक्षा प्रक्रियाओं का स्पष्ट संक्षिप्त विवरण देने वाला एक शनुदेश कार्ड प्रदर्शित किया जाएगा।

(iii) सभी भारतीय टेलीग्राफी पोतों पर, संकट घटना के दौरान रेडियो कक्ष में वी. एच. एफ. रेडियो टेलीफोन संस्थापन का मानीटर करने के लिए साधनों की व्यवस्था की जाएगी।

- (iv) वी. एच. एफ. रेडियो टेलीफोनी का सञ्चालन और स्थापन हम प्रकार किया जाएगा जिससे कि यह ग्रन्तरक्षण प्रयोजनों के लिए आसानी से पहुंच में हो और अच्छी हंजीनियरी पढ़ति का हो।
- (v) संस्थापन के भूयोजन के लिए ममुचित साधनों की व्यवस्था की जानी चाहिए, किन्तु इससे जब तक प्रशासन के समाधानप्रद रूप में विशेष पूर्वावधानी न वर्ती गई हो, भूयोजित की जाने वाली विद्युत ऊर्जा के लिए की ममालित नहीं होनी चाहिए।
- (vi) वी. एच. एफ. रेडियो टेलीफोन उपस्कर में अंतर्राष्ट्रीय संकट आवृत्ति 156.80 (चैनल 16) और स्थानीय प्रशासन द्वारा अपेक्षित किसी अन्य चैनल पर बहुबिंब निगरानी की सुविधा होगी।
- (vii) इन नियमों द्वारा अपेक्षित वी.एच.एफ.ऐसा होगा कि वह यांत्रिक त्रिटियां से मुक्त हो और द्वितीय अनुसूची में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं की पूर्ति करे।
- (viii) कोई ऐसा एच.एफ.उपस्कर जो खुले में प्रतीक के लिए अवश्यित है, ऐसा होगा कि तृतीय अनुसूची द्वारा अपेक्षित फफूटी उत्पत्ति परीक्षण किए जाने के पश्चात् उसमें कोई फफूटी उत्पन्न विद्युत नहीं होगी।

## 2. अभिग्रहण में व्यतिकरण :

(i) किसी भी समय, जब पोत समुद्र पर हो, पोत में वी.एच.एफ.संस्थापन द्वारा या किसी अन्य उपस्कर द्वारा उत्पादित व्यतिकरण या यांत्रिक शोर इतना तीव्र नहीं होगा जिससे कि नियमों के अनुसरण में पोत पर जिस वी.एच.एफ.संस्थापन की व्यवस्था की गई है, उसके द्वारा रेडियो के प्रभावी अभिग्रहण में इकावट पड़े।

(ii) पोत पर संस्थापन और अन्य हल्मेटॉनिक उपस्कर के बीच विद्युत चुम्बकीय व्यतिकरण के कारणों को विनिपत्त करने और उसे दबाने के सभी युक्तियुक्त और व्यवहार्य कदम उठाए जाने चाहिए। संस्थापन का कोई यूनिट उस अनुनतम सुरक्षित दूरी के भीतर, जहाँ से वे किसी मानक या किसी परिचालन चुम्बकीय दिशासूचक से आरोपित किए जा सकें, फिट नहीं किया जाएगा। ये दूरिया प्रत्येक यूनिट के बहिर्मार्ग पर स्पष्ट रूप से उपदर्शित की जानी चाहिए।

## 4. उच्च बोल्टता वाले भाग :

इन नियमों में विनिर्दिष्ट उपस्कर के सभी भाग और वार्षिक की जिनमें रेडियो गायनी बोल्टता से भिन्न सीधी और प्रस्तुतर्ती बोल्टता किसी भी समय पचास बोल्ट से अधिक की नारकणिक बोल्टता देने के लिए मिल जाती है, आकर्षित आभिग्रहण से संरक्षा की जाएगी।

## 5. नियंत्रण और सूचक :

(1) सभी नियंत्रण ऐसे आकार के होने चाहिए जिससे आसानी से किया जाने वाला प्रमाणान्य समूयोजन किया जा सके। नियंत्रणों का प्रबार्य और विरासत स्पष्टतः उपदर्शित किया जाना चाहिए।

(2) नियंत्रण आवश्यकतानुसार प्रदीप्त किए जाने चाहिए जिससे कि उपस्कर समाधानप्रद प्रचालन के लिए समर्थ हो सके।

(3) उपस्कर से निर्गत ऐसे किसी प्रकाश को, जो नी परिवहन की सुरक्षा में व्यतिकरण करने में समर्थ है, विद्युत करने तक के साथनों की व्यवस्था की जानी चाहिए।

(4) संपूर्ण संस्थापन के लिए एक आन-ओंक स्त्रिव की व्यवस्था की जानी चाहिए, जिसमें एक ऐसा दृश्य सूचन हो कि संस्थापन चालू है।

(5) उपस्कर में, जैसा कि रेडियो/विनियमों में दिया गया है, वह चैनल संख्यांक दर्शित होना चाहिए जिससे उसे समस्वरित किया गया है। वह सभी बाह्य प्रकाश की दशाओं में चैनल संख्यांक का निर्धारण अनुशास्त करता है। जहाँ व्यवहार्य हो, वहाँ चैनल 16 गुस्पतः चिह्नित किया जाना चाहिए।

(6) अभिग्राही में एक हस्तेन प्रबलता नियंत्रण की व्यवस्था की जानी चाहिए, जिसके द्वारा श्रवण निर्गत में परिवर्तन किया जा सकेगा।

(7) उपस्कर के बहिर्मार्ग पर एक चुपकरण की व्यवस्था की जानी चाहिए।

(8) प्रेषण प्रकार के एक दृश्य सूचक की व्यवस्था की जाएगी।

(9) यदि बाह्य नियंत्रण किसी पृथक् नियंत्रण यूनिट पर समायोजित किए गए हैं और ऐसे एक से अधिक यूनिट की व्यवस्था की गई है तब नी यूनिट पुल पर बने यूनिट की पूर्विकता दी जानी चाहिए। अन्य यूनिटों को भी यूनिट संकेत दिया जाना चाहिए कि उपस्कर चालू हैं।

(10) उपस्कर को अत्यधिक बोल्टता, विद्युत् प्रदाय ध्रुवण के क्षणिक और उत्करण के प्रमाणों से संरक्षित करने के लिए व्यवस्था की जानी चाहिए।

(11) अभिग्राही की सुग्राहिता एक संकर के लिए 20 डेसीबल के व अनुपात में 2 माइक्रोबोल्ट से कम नहीं होनी चाहिए। अभिग्राही की वरणक्षमता ऐसी होनी चाहिए कि आवश्यक संकर की बोधगम्भीर अवांछित संकेतों द्वारा गंभीर रूप से प्रभावित न हो।

(12) टेलीफोन हेंडसेट के श्रवण निर्गत को प्रभावित किए बिना लाउडस्पीकर को बन्द करना संभव होना चाहिए।

(13) एकमुखी प्रचालन के दौरान संचरण अवस्था में अभिग्राही को भोत किया जाएगा।

## 6. विद्युत् ऊर्जा का प्रदाय :

(1) सभी समयों पर जबकि ऐसा पोत जिसे ये विनियम लागू होते हैं और सभी युक्तियुक्त समयों पर जब वह पत्तन में हो, विद्युत् का एक ऐसा मुख्य लोत उपलब्ध होगा और वी.एच.एफ.रेडियो टेलीफोन के उसकी नामपात्र अनुमति निर्गम शक्ति पर प्रचालन के लिए पर्याप्त हो।

(2) वी एच एफ रेडियो टेलीफोनी संस्थापन आरक्षित ऊर्जा स्रोत से उसकी नाममात्र अनुमति निर्गत शक्ति पर भी प्रचालन में समर्थ होगा ।

(3) मुख्य लाइन के काम न करने की दशा में रेडियो टेलीफोनी संस्थापन का प्रचालन आरक्षित ऊर्जा स्रोत से स्वतः किया जाएगा ।

#### 7. एन्टेना की व्यवस्था :

प्रत्येक पोत पर, जिसे ये विनियम लागू होते हैं ऐसे एन्टेना की व्यवस्था की जाएगी जो 156.025—162.025 मैग्ना हर्ट्ज बैंड पर संकेतों के दक्ष विकिण और आभग्रहण के लिए उपयुक्त है। एन्टेना का उधर्वता ध्रुवण किया जाएगा और जहां तक व्यवहार्य हो, इस प्रकार स्थित किया जाएगा जिससे वह सभी दिशाओं से अवाधित रूप से देखा जा सके ।

#### 8. फालतू पुर्जे वायरिंग आरेख और अनुदेश :

(1) प्रत्येक वी एच एफ रेडियो टेलीफोनी पोत में, जैसा कि उपस्कर वें विनियमिता द्वारा सिफारिश की जाती है, कम से कम फालतू पुर्जे होंगे ।

(2) वी एच एफ रेडियो टेलीफोनी का एक वायरिंग व्यवस्था चित्र और वी एच एफ के उपयोग का संबंध में पर्याप्त अनुदेश वाली एक पुस्तक फलक पर सभी समय उपलब्ध होगी ।

#### 9. आवृत्तिपरास, उत्सर्जन वर्ग और शक्ति :

(क) उपस्कर आवृत्ति बैंड 156.000 से 174.000 मैग्ना हर्ट्ज के भीतर प्रचालन में समर्थ होगा और चैनल विस्तृति 25 किलो हर्ट्ज और उत्सर्जन का प्रकार 16 वो एफ 3 है होगा ।

(ख) (i) आवृत्ति माइक्रोन का 6 डेसीबल/सप्तक (कला माइक्रोन) के प्रावक्ष-प्रबलन के साथ उपयोग किया जाएगा ।

(ii) 100 प्रतिशत माइक्रोन में संगत आवृत्ति विचलन यथाव्यवहाय निकटतम रूप में  $\pm 5$  किलो हर्ट्ज उपगमन करेगा । आवृत्ति विचलन किसी भी दशा में  $\pm 5$  किलो हर्ट्ज में अधिक नहीं होगा ।

(iii) आवृत्ति महायता 10<sup>6</sup> में 10 भाग होगो ।

(iv) जब किसी अभिहित आवृत्ति पर संचरण किया जा रहा हो तब संचरण उत्सर्जन स्रोत पर उधर्वता ध्रुवित किया जाएगा ।

(v) श्रवण आवृत्ति बैंड 3000 हर्ट्ज सीमित रखा जाएगा ।

(ग) ट्रांसमीटर की अधिकतम तिर्यगत शक्ति 25 वॉट से अधिक नहीं जानी चाहिए । ट्रांसमीटर निर्गत शक्ति को 1 वॉट तक या इससे कम करने की व्यवस्था की जानी चाहिए ।

(घ) एकल आवृत्ति चैनल पर प्रबलन के लिए अनिलिप्त प्रत्येक उपस्कर 156. 300 से 156.875 मैग्ना हर्ट्ज बैंड पर सर्वत्र एकमुखी प्रचालन में समर्थ होगा ।

(ङ) दो आवृत्ति चैनलों पर प्रबलन के लिए अधिकलिप्त प्रत्येक उपस्कर निम्नलिखित बैंडों पर सर्वत्र एकमुखी और अर्ध द्वैष प्रचालन में समर्थ होना चाहिए :

156.025 से 157.425 मैग्ना हर्ट्ज संचरण के लिए;

160.625 से 162.025 मैग्ना हर्ट्ज—अभिग्रहण के लिए ।

इसके अतिरिक्त दो आवृत्ति चैनलों पर द्वैष प्रबलन के लिए सुविधाओं की सिफारिश की जाती है ।

व्यारहशी अनुमूली के पश्चात् निम्नलिखित अनिरिक्त अनुमूली जोड़ी जाएगी अर्थात् :—

#### वारहवी अनुसूची

#### [नियम 16 (6) वेदिए]

#### पृष्ठांकन प्रमाणपत्र

#### 1. पृष्ठांकन पाठ्यक्रम :

रेडियो अधिकारियों के लिए पृष्ठांकन प्रमाणपत्र का पाठ्यक्रम किसी अनुमोदित संस्था द्वारा कम से कम तीन दिन की कालावधि के लिए संचालित किया जाएगा ।

#### 2. इस पाठ्यक्रम के लिए पाठ्य विवरण निम्नलिखित रूप में होगा :

(क) आपातकाल में रेडियो सेवाओं की व्यवस्था जिसके अंतर्गत :—

(1) परिस्थित पोत

(2) पोत के फलक पर अग्नि

(3) रेडियो स्टेशन का अंशतः या पूर्ण भंजन आते हैं ।

(ख) सुवाह्य और नियन रक्षा नौका रेडियो माध्यन और रेडियो बीकन को उपर्यागत करने वाली आगत स्थिति के प्रति विशेष निर्देश से रक्षा नौका और रक्षा राफ्ट का प्रचालन और उनके उपस्कर ।

(ग) रेडियो संस्थापन के प्रति विशिष्ट निर्देश से अग्नि निवारण और अग्निशमन ।

(ब) रेडियो उत्पन्नकर से मंबंधित परिसंकट के संबंध में, जिसके अंतर्गत विद्युत् विकिरण, रासायनिक और यांत्रिक परिसंकट है, पोतों और कार्मिकों की सुरक्षा के लिए निवारक उपाय :

- (इ) रेडियो संचार के प्रति विशेष निर्देश से आईएम और वाणिज्यिक पोत खोज और बचाव निदेशिका का प्रयोग ।
  - (ज) पोत स्थिति ट्रिपोर्ट पद्धतियाँ और प्रक्रियाएँ ।
  - (छ) अंतरराष्ट्रीय सकेत संहिता और आईएम और मानक समुद्री नौसंचालन शब्द भंडार ।
  - (ज) रेडियो चिकित्सा पद्धति और प्रक्रिया ।
  - (झ) विश्व सामुद्रिक संकट और सुरक्षा पद्धति और उसका कार्यान्वयन ।
  - (ञ) विश्वव्यापी नौसंचालन चेतावनी पद्धति
3. पृष्ठांकन प्रमाण पत्र निम्नलिखित प्रस्तुप में होगा ।

### प्रमाणपत्रों का पृष्ठांकन

(प्राधिकारिक मुद्रा)

(देश)

अंतरराष्ट्रीय समुद्र यात्री प्रशिक्षण, प्रमाणीकरण और निगरानी मानक अभिसमय, 1978 के उपबंधों के अधीन जारी ।  
दोनों में से एक\* (नाम) सरकार यह प्रमाणित करती है

मैं, अधोस्ताक्षरी यह प्रमाणित करता हूँ ।

कि वर्तमान प्रमाणपत्र/प्रमाण पत्र सं .

—(व्यक्ति का पूरा नाम) को जिसे अंतरराष्ट्रीय समुद्र यात्री प्रशिक्षण प्रमाणीकरण और निगरानी मानक अभिसमय, 1978 के विनियम— के उपबंधों के अनुसार— \*\*\* के स्वप्न में सम्यक् रूप से अर्हित पाया गया है, केवल निम्नलिखित परिसीमाओं के अंतर्गत जारी किया जाता है:

यहां परिसीमाएँ या

कुछ भी नहीं जैसा समुचित हो, अंतः स्थापित करें

यह पृष्ठांकन जारी करने की तारीख

हस्ताक्षरित

सम्यक् रूप से प्राधिकृत

पदधारी का नाम और हस्ताक्षर

(प्राधिकारिक मुद्रा)

प्रमाणपत्र धारक की जन्म-तिथि—

प्रमाणपत्र धारक के हस्ताक्षर—

\*एक या दूसरी रेखा का प्रयोग करें

\*\*जैसा समुचित हो, काट दें

\*\*\*अभिसमय श्रेणी या प्रमाणपत्र वर्ग अंतः स्थापित करें ।

4. आवेदन निम्नलिखित प्रस्तुप में होगा :-

प्राधिकारियों के लिए प्रमाणपत्र के पृष्ठांकन के लिए आवेदन

1. नाम :—

2. सो डो सो/पासपोर्ट मंख्यांक :—

3. प्रवीणता प्रमाणपत्र

श्रेणी :—

4. परीक्षा उत्तीर्ण करने की तारीख :—

5. —————— तक विधिमात्र

6. प्रमाणपत्र के अंतिग पृष्ठांकन की तारीख :—

7. अतिरिक्त प्रमाणपत्र—

प्रमाण पत्र	संख्यांक	जारी करने की तारीख	जारी करने वाला अधिकारी			
1	2	3	4			
1. पृष्ठांकन						
2. अग्निशमन						
3. जीवन रक्षा यान						
4. प्राथमिक उपचार						
5. पिछले पांच वर्षों में की गई समुद्री सेवा						
पोत का नाम	ओ.संख्यांक	रजिस्ट्री पत्रन	पोत का प्राप्तार	फिर हैमियन में सेवा की		
1	2	3	4	सेवा की अवधि से तक		
1	2	3	4	5	6	7

9. पिछले पांच वर्षों के दौरान पोत पर की गई सेवा से भिन्न की गई सेवा का विवरण

10. मैं घोषणा करता हूँ कि ऊपर दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही और सत्य है।

तारीख आवेदक के हस्ताक्षर

टिप्पण :—ऐसा कोई व्यक्ति जो मिथ्या व्यपदेशन करता है या जानबूझकर कोई मिथ्या व्यपदेशन करता है, भारतीय दंड संहिता की धारा 182 और 420 के अधीन छल के लिए दंडादेश का दायी होगा।

11. आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए गए सेवा के सबूत के समर्थन में ग्रामीणों और प्रमाणात्रों, जैसा कि ऊपर उल्लिखित है, की जांच की गई थी और वे ठीक पाए गए थे।

पृष्ठांकन प्रमाणपत्र जारी करने के लिए 100/- रु. फोम—को प्राप्त की गई। पृष्ठांकन प्रमाणपत्र—को जारी किया गया।

\*आवेदन मुख्य परीक्षक के विनिश्चयार्थ अनुरोधित किया जाता है।

तारीख

मुख्य अधिकारी

वाणिज्यिक समुद्री विभाग

\*यदि लागू न हो तो काट दें।

12. एक पृष्ठांकन प्रमाणपत्र—को प्राप्त के लिए जारी किया जाए।

तारीख

मास्टर और मेट मुख्य परीक्षक

13. पृष्ठांकन प्रमाणपत्र—को प्राप्त के लिए विविध

मुख्य अधिकारी

वाणिज्यिक समुद्री विभाग

टिप्पण : (1) मध्येक रूप में पूर्ण आवेदन पत्र को एक प्रति मुख्य परीक्षक को अभिभेद के लिए भेजा जाएगी।

[फा. सं. एम. आर./11013/2/91-ए.ए.]

के, पदमनभावर, अवर सचिव

टिप्पण :—मूल नियम भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) में पृष्ठ 1—38 पर नीवहन और परिवहन मंत्रालय (नीवहन पक्ष) नई दिल्ली की सरकारी अधिसूचना सा. का. नि. सं. 15(अ) तारीख 7 जनवरी, 1983 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

**MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT**  
**(Shipping Wing)**

New Delhi, the 26th March, 1992

**(MERCHANT SHIPPING)**

G.S.R. 161.—In exercise of the powers conferred by section 296, read with sections 291 and 457 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Merchant Shipping (Radio) Rules, 1983, namely :—

1. (1) These rules may be called the Merchant Shipping (Radio) Amendment Rules, 1992.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Merchant Shipping (Radio) Rules, 1983,

(1) For rule 2 the following rule shall be substituted namely :—

“2. In these rules, unless the context otherwise requires

(a) ‘Act’ means the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958).

(b) ‘approved’ means approved by the Nautical Adviser to the Government of India.

(c) ‘Convention’ means the International convention on Safety of Life at Sea 1974 as amended from time to time.

(d) ‘corrected’ means electrically connected.

(e) ‘class A1A’ in relation to classes of emission means telegraphy by on-off keying without the use of a modulating audio frequency;

(f) ‘class A2A’ in relation to classes of emission means telegraphy by on-off keying of an amplitude modulating audio frequency or audio frequencies, or, as the case may be, by the on-off keying of the modulating emission;

(g) ‘class H3E’ in relation to classes of emission means single side band full carrier telephony.

(h) ‘class J3E’ in relation to classes of emission means single side band suppressed carrier telephony

(i) ‘class R3E’ in relation to classes of emission means single side band reduced carrier telephony.

(j) ‘EPIRB’ means Emergency Position Indicating Radio Beacon in the mobile service, the emission of which are intended to facilitate search and rescue operations.

(k) ‘interference’ means any emission, radiation or induction which endangers the functioning of a radio navigation service or of other

safety services or seriously degrades, obstructs or repeatedly interrupts a radio communication service operating in accordance with these rules.

- (l) ‘IMO performance standards’ means the performance standards for navigation and radio equipment approved and published by the Assembly of the International Maritime Organisation.
- (m) ‘mile’ means a nautical mile of 1853.144 metres.
- (n) ‘mobile’ station licence’ means the licence issued by the Government of India in the Ministry of Communication to operate Maritime Mobile Communication and electronic navigational equipment on board on designated Maritime wavelengths.
- (o) ‘radio telegraph ship’ means a ship, being a Passenger ship or a Cargo Ship of 300 tons gross and upwards which is provided with a radiotelegraph installation in compliance with the requirements of the First Schedule.
- (p) ‘radio telephone ship’ means a cargo ship, being a ship of not less than 300 tons but less than 1600 tons gross which is provided with a radiotelephone installation in compliance with the provisions of the Second Schedule.
- (q) ‘schedule’ means schedules annexed to these rules;
- (r) ‘Silence periods’
  - (i) in relation to radio telegraphy means period of three minutes each beginning at 45 minutes and 45 minutes of each hour determined according to co-ordinated universal time (UTC).
  - (ii) in relation to radio telephony means periods of 3 minutes each beginning at each hour and 30 minutes of each hour determined according to co-ordinated universal time (UTC).
- (s) ‘VHF radio telephone station or VHF radio installation’ means radio equipment operating within the frequency band 156.025—162.025”.

(2) For rule 3 the following rule shall be substituted, namely :

“3. Classification of Ships.—The Ships to which these rules apply shall be classified as follows, namely :—

Class I : Passenger ships which carry more than 250 passengers being ships which are at sea for more than 16 hours between two consecutive ports.

Class II : (a) Passengers ships other than those of class I and

(b) Cargo ships of more than 1600 tons gross tonnage.

Class III : Cargo ships of more than 300 tons gross tonnage but less than 1600 tons gross tonnage.

(3) in rule 4—

- (i) in sub-rule (2) the words and Roman Figure "and class IV" shall be omitted;
- (ii) in clause (i) of sub-rule (3) the words and Roman Figures "of" classes I, II, III and IV" shall be omitted.

(4) for rule 5 the following rule shall be substituted

"5. Performance Standards.—Every equipment specified in Schedules to these rules shall comply with the requirements of Third Schedule and the IMO performance standards".

(5) In rule 9 for the words, "electrically independent of each other", the words "electrically separate and independent of each other" shall be substituted.

(6) In rule 10,—

- (i) after clause (d) or sub-rule (1) the following clause shall be inserted namely :—

"(e) Such that on ships constructed after 1st July, 1986 which have no direct access to the open deck, two means of escape from or access to such station are provided. One of these may be a porthole or window of sufficient size with adequate means for an emergency escape".

(ii) in sub-rule (6) the proviso shall be omitted.

(iii) in sub-rule (9), for the words "radio telegraph rule", the words "the radio telegraph and radio telephone rule" shall be substituted.

(iv) in sub-rule (9) after clause (ii) the following clause shall be inserted, namely :—

"(iii) Radio telephone alarm signal generating device specified in Part II of Second Schedule".

(v) in sub-rule (10) for the words "radio telegraph", in both the places where it occurs the words "radio telegraph and radio telephone" shall be substituted.

(7) In clause (b) of sub-rule (1) of rule 11, for the words, "a spare aerial", the words "a spare aerial of similar electrical characteristics", shall be substituted.

(8) For sub-rule (1) of rule 12 the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(1) the normal ranges of radio telegraph transmitters provided in accordance with the foregoing provisions of these rules, when connected to the main aerial shall not be less than the range specified in the Table below:

## TABLE

Class of ship	Minimum transmission range in miles	
	Main Transmitter	Reserve Transmitter
I & II	150	100
III	100	75

(9) In rule 13—

- (i) in sub-rule (3) in clause (c) after sub-clause (d) the following sub-clauses shall be inserted, namely :—

"(e) the current required to operate the VHF installation.

(f) the current required for generating the radiotelephone alarm signals".

- (ii) in sub-rule (4) after clause (c) the following clauses shall be inserted namely :—

"(f) the VHF radio telephone installation complying with the requirement of Eleventh Schedule.

(g) the radio telephone alarm signal generator where the same is provided in the reserve installation complying with the requirement of second schedule."

- (iii) in sub-rule (5) for the words and figure "ship of class III or class IV" the words "cargo ship" shall be substituted;

(10) In rule 15—

- (i) in clause (c) or sub-rule (1) the words and Figure "and class IV" shall be omitted;

- (ii) in sub-rule (2) for clause (b) the following clause shall be substituted, namely :—

"(b) ships of classes II and III—one Radio Officer".

(11) In rule 16—

- (i) in sub-rule (1), for the words "holds a first or second class radio telegraph operators certificate of proficiency or competency" the words "holds a valid radio communication operators general certificate or a first or second class radio operators certificate of proficiency or competency for the maritime mobile service."

- (ii) in sub-rule (2), for the words "for the time being in force in India", the words "for the time being in force in India or a radio communication operators general certificate for the maritime mobile service" shall be substituted.

- (iii) in sub-rule (4) (a) for the words "not less than", the words "not less than 6 months" shall be substituted, (b) clauses (a), (b), (c) and (d) shall be omitted.

(iv) After sub-rule 5 the following sub-rule shall be inserted namely :—

“(6) (a) Every radio officer shall, in addition to the certificates specified in sub-rule (1) of this rule hold an Endorsement Certificate issued in accordance with this sub-rule.

(b) Every radio officer shall be eligible for the Endorsement Certificate provided he is in possession of :—

(i) Certificate of attendance at an approved endorsement course as specified in the Twelfth Schedule

(ii) Following Certificates specified in rule 12 of the M.S. (Examination of Masters and Mates) Rules, 1985.

(a) First Aid Certificate.

(b) Proficiency in Fire Fighting Certificate.

(c) Proficiency in Survival Craft Certificate.

(c) Every radio officer eligible for endorsement certificate shall apply to the Principal Officer, Mercantile Marine Department in the form prescribed in the Twelfth Schedule and pay a fee of Rs. 100.

(d) The Principal Officer shall if satisfied issue an Endorsement Certificate as specified in the Twelfth Schedule”.

(12) In rule 17, in sub-clause (ii) of clause (b) of sub-rule (1) for the Roman numerals and word “II, III and IV” the Roman numerals and word “II and III” shall be substituted.

(13) In rule 18—

(i) for sub-rule (1) the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(1) Every radio officer on board a radio telegraph ship shall while at sea, maintain continuous watch on the radio telephone distress frequency at the place on board from which the ship is normally navigated by use of radio telephone distress frequency watch receiver and the radio telegraph distress frequency by radio officer using headphones or a loud speaker subject to provisions of rule 17. Such watch shall be kept on all occasion during specified working hours provided that when the radio officer is required to perform other duties in compliance with these rules or in compliance with the Merchant Shipping (Direction Finder) Rules, 1968 or when he is required to handle traffic on other frequencies; radio watch may be maintained by means of loud speaker reception or if loud speaker reception is impracticable radio watch

during such period may be dispensed with except during silence periods failing within such periods”.

(ii) after clause (g) of sub-rule (4) the following clauses shall be inserted, namely :—

(h) test the efficiency of the radio telegraph and radio telephone auto alarm equipment.

(i) test the radio telephone transmitter on distress frequency with artificial aerial atleast once a day”.

(14) In rule 21, for sub-rule (1) the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(1) Aerial.—Every radio telephone ship shall be fitted with an aerial and if the main transmitter aerial is not supported wire aerial, a spare aerial of similar electrical characteristics, complete with the necessary material and other means to enable it to be rapidly erected while the ship is at sea shall be provided”.

(15) In rule 23—

(a) for sub-rule (2) the following sub-rule shall be substituted namely —

“(2) Reserve source of electrical energy, preferably batteries, shall be placed as high in the ship as practicable and it shall be of such capacity as to be able to supply electrical energy continuously for six hours a total current equal to the sum or :

(i) One half of the current required to operate the radiotelephone transmitter for speech transmission on the frequency at which the current consumption of the transmitter is at a maximum.

(ii) the current consumption of all additional loads to which the battery may supply energy in time of distress or emergency.

(iii) The current consumption of VHF radio-telephone.

(iv) The current required by the electric lamp provided in pursuance of rule 24”

(b) after clause (b) of sub-rule (4) the following clause shall be inserted, namely :—

“(c) the VHF radio installation”.

(16) In rule 24—after clause (f) the following clause shall be inserted, namely :—

“(g) means shall be provided at the radio telephone action for checking the proper function of :—

(i) the radio telephone alarm signal generating device, by ensuring that the device can modulate satisfactorily the radio telephone transmitter. Such means shall use a dummy load to ensure that no signals are radiated during such checking.

- (ii) The muting circuits of the radio telephone distress frequency watch receiver or the radio telephone auto alarm."
- (17) in sub-rule (2) of rule 25 for the words "first class" the words "a radio communication operator's general certificate or a first class" shall be substituted.

(18) for Part IV and rules 29, 30 and 31 the following part and the rules shall be substituted, namely :—

"Part IV—VHF radio telephone installation.

#### 29. VHF Radio Telephone Installation :—

All Passenger ships and all cargo ships shall be fitted with a VHF radio telephone installation complying with the requirements of the Eleventh Schedule. Such installation shall be provided with a main and reserve source of energy.

30(1) The VHF radio installation shall be in the upper part of the ship and control of the VHF channels shall be immediately available from the place from which the ship is navigated.

(2) A Card of instructions giving clear summary of the distress, urgency and safety procedures shall be displayed at each VHF operating position.

31. Every Indian ship while at sea provided with VHF radio telephony installation in accordance with these regulations shall maintain a continuous listening watch on the navigating bridge on the VHF Distress frequency 156.800 MHz (VHF Channel 16). Listening watch may be discontinued —

- (a) When the receiver is being used for traffic on a frequency other than 156.800 MHz.
- (b) When in the opinion of the master such watch is prejudicial to the safety of the ship an entry may be made in the ship's log of the time listening watch was discontinued and circumstances in which the safety of the ship was prejudicial and the time listening watch was resumed.

Summary shall be maintained of all communications relating to Distress, Urgency and Safety traffic received or transmitted from the VHF Radio telephone installation during such watch."

#### (19) in the First Schedule :—

- (i) In Part I, Part II, Part III, Part IV, Part V and Part VI for Emissions "A1", "A2H", "A3", "A3H" and "A3A", wherever they occur, the emissions "A1A", "A2A", "H2A", "A3E", "H3E" and "R3E", respectively shall be substituted.
- (ii) for paragraph 2 of Part I, the following shall be substituted namely :—

"2 Frequency ranges and classes of emissions :

The transmitter shall be capable of transmitting on radio telegraph distress fre-

quency and working frequencies in the authorised bands between 405 kHz and 535 kHz using the classes of emissions assigned in the radio regulation."

- (iii) for paragraph 5 of Part I, the following shall be substituted namely :—

"5. The power of the transmitter expressed shall not be less than 125 metre amperes provided that in the case of self supporting aerials transmitting on 500 kHz using H2A emissions. Such power shall not be less than 175 amperes."

- (iv) in paragraph 9 of Part I, for figures "1000" the figures "200" shall be substituted.

- (v) for paragraph 13 of Part I the following shall be substituted namely :—

"13. Artificial aerial (Dummy load) shall be provided to test the transmitter without radiation."

- (vi) for paragraph 14 of Part I the following shall be substituted namely :—

#### "14. Indicating Instruments :

The transmitter shall be equipped with indication to read the RF current being transmitted by the transmitter and the serial circuit.

#### (vii) in Part II—

- (a) Sub-paragraphs (2) and (3) of paragraph 1 shall be omitted.

- (b) for paragraph 2 the following shall be substituted, namely :—

"2. The receiver shall be capable of receiving signals within the frequency range of 100 kHz to 30 MHz on emissions as per radio regulation."

- (c) for sub-paragraph (4) of paragraph 4, the following shall be substituted, namely :—

"(4) Tuning to any frequency should be within 5 seconds".

#### (20) in Part 3—

- (a) for paragraph 2 the following shall be substituted, namely :—

"2. The transmitter shall be capable of transmitting on radio telegraph distress frequency of 500 kHz on emissions as per radio regulation".

- (b) for paragraph 4 the following shall be substituted, namely :—

"4. The power of the transmitter shall not be less than 70 metre amperes provided that in the case of self supporting aerials such power shall be 100 metre amperes."

(c) in paragraph 8 for figure "1000" the figure "200" shall be substituted."

(d) for paragraph 11 the following shall be substituted namely :—

"11. Artificial aerial (dummy load) shall be provided to test the transmitter without radiation."

(21) in the second schedule —

(i) In Part I, Part II and Part III, for the words "A3", "A3H", "A3A" and "A3J", whenever they occur the words "A3E", "H3E", "R3E" and "J3E", respectively shall be substituted.

(ii) for sub-paragraph (1) of paragraph 2 the following shall be substituted, namely :—

"(1) The equipment shall be capable of transmitting on radio telephone distress frequency on the 2182 kHz and other appropriate frequencies applicable within the area of operation within the frequency band of 1605 to 3800 kHz on emission as per radio regulations".

(iii) for sub-paragraph (1) of paragraph 3 of the following shall be substituted, namely :—

"(1) the transmitter shall be capable of transmitting on the frequencies specified in the radio regulations."

(iv) for sub-paragraphs (2) and (3) of paragraph 5 the following shall be substituted, namely :—

"(2) The maximum peak envelope power at any frequency shall be between 60 watts and 400 watts.

(v) for sub-paragraph (8) of paragraph 5 the following shall be substituted, namely :—

"(8) The transmitter shall maintain a frequency tolerance of not more than 40 Hz."

(22) the Fourth Schedule shall be omitted.

(23) after the Tenth Schedule the following schedules shall be inserted namely :—

#### THE ELEVENTH SCHEDULE

[See Rule 13(4)]

#### VHF Radiotelephone installation

(1) Definition :

In this schedule the expression "the equipment" includes a VHF radiotelephone transmitter and receiver.

(2) Provision of VHF :

(i) The VHF radiotelephony installation shall be in the upper part of the ship and control

of the VHF channels shall be immediately available on the bridge convenient to the places from which the ship is normally navigated.

(ii) A card of instructions giving a clear summary of the distress urgency and safety procedures shall be displayed at each VHF operating position.

(iii) On all Indian telegraphy ships means shall be provided to monitor the VHF radiotelephone installation in the radio room during distress incident.

(iv) The VHF radiotelephony shall be so constructed and installed that it is readily accessible for maintenance purposes and meets with good engineering practice.

(v) Means should be provided, so appropriate, for earthing of the installation but this should not cause any terminal of the source of electrical energy to be earthed, unless special precaution taken to the satisfaction of the Administration.

(vi) The VHF radiotelephone equipment shall have facility of multiple watch on International Distress frequency 156.80 MHz (Channel 16) and any other channels required by the Local Administration.

(vii) The VHF required to be provided by these rules shall be such that it will be free from mechanical defects, and shall comply with the requirements specified in the Second Schedule.

(viii) The VHF equipment which is intended for use in the open shall be such that after undergoing the mould growth tests required by the second schedule, no growth will be present in it.

#### 3. Interference with reception :

(i) At no time while the ship is at sea the interference or mechanical noise produced by the VHF installation or by any other equipment in the ship shall be of such intensity as to prevent the effective reception of radio signals by means of the VHF installation provided on board in pursuance of the rules.

(ii) All reasonable and practicable steps should be taken to eliminate the causes of, and to suppress electromagnetic interference between the installation and other electronic equipment on board. No unit of the installation shall be fitted within the minimum safe distance at which they may be mounted from a standard or a steering magnetic compass. These distances should be clearly indicated on the exterior of each unit.

**4. High Voltage parts :**

All parts and wirings of the equipment specified in these rules in which the direct and alternating voltage other than radio frequency voltages combine at any time to give an instantaneous voltage greater than fifty volts shall be protected from accidental access.

**5. Controls and Indicators :**

- (1) All controls should be of such size as to permit normal adjustment to be easily performed. The function and the setting of the controls should be clearly indicated.
- (2) The controls should be illuminated as necessary so as to enable satisfactory operation of the equipment.
- (3) Means should be provided to reduce to extinction any light output from the equipment which is capable of interfering with safety of navigation.
- (4) An On/Off switch should be provided for the entire installation with a visual indication that the installation is switched on.
- (5) The equipment should indicate that channel number, as giving in the Radio Regulations, to which it is tuned. It should allow the determination of the channel number under all conditions of external lighting. Where practicable channel 16 should be distinctively marked.
- (6) The receiver should be provided with a manual volume control by which the audio output may be varied.
- (7) A squelch should be provided on the exterior of the equipment.
- (8) A visual indication of transmit mode to be provided.
- (9) If the external controls are assembled on a separate control unit and more than one such unit is provided then one on the navigating bridge should have priority. Unit indication should be given to the others that the equipment is in operation.
- (10) Provision should be made for protecting the equipment from the effects of excessive voltages, transients and reversal of the power supply polarity.
- (11) The sensitivity of the receiver should not be less than 2 microvolts for a signal to noise ratio of 20 db. If the selectivity of the receiver should be such that intelligibility of the wanted signal is not seriously affected by unwanted signals.
- (12) It should be possible to switch off the loudspeaker without affecting the audio output of the telephone handset.

(13) In the transmit condition during simplex operation, the output of the receiver shall be muted.

**6. Supply of Electrical Energy :**

- (1) At all times while a ship to which these regulations apply is at sea and at all reasonable times when she is in port, there shall be available a main source of energy sufficient to operate the VHF radiotelephone installation on its nominal rated output power.
- (2) The VHF radiotelephony installation shall also be capable of operation at its nominal rated output power from the reserve source of energy.
- (3) In case of mains failure VHF radio telephone installation shall be operated automatically from the reserve source of energy.

**7. Provision of Antennae :**

Every ship to which these regulations apply shall be provided with antennae suitable for the efficient radiation and reception of signals in the band 156.025—162.025 MHz. The antennae shall be vertically polarised and as far as practicable located to have an unobstructed view in all direction.

**8. Spares Wiring Diagram and Instructions :**

- (1) Every VHF radiotelephony ship shall carry minimum number of spares as recommended by the manufacturer of the equipment.
- (2) A schematic wiring diagram of the VHF radiotelephony and a book containing adequate instructions and to the use of the VHF shall be available at all times on board.

**9. Frequency Range, Class of Emission and power :**

- (a) The equipment shall be capable of operating within the frequency band 156.000 to 174.000 MHz. with the channel span of 25 KHz and type of emission 16KOF3E.
- (b)
  - (i) Frequency modulation shall be used with a pre-emphasis of 6db/octave (phase modulation).
  - (ii) Frequency deviation corresponding to 100% modulation shall approach  $\pm 5\text{ KHz}$  as nearly as practicable. In no event shall the frequency deviation exceed  $\pm 5\text{ KHz}$ .
  - (iii) Frequency tolerance shall be 10 parts in  $10^6$
  - (iv) When transmitting on any of the designated frequencies the emission of transmission shall be vertically polarised at the source.

- (v) Audio frequency band shall be limited to 300 Hz.
- (c) The transmitter maximum output power should not exceed 25 watts. Provision should be made to reduce the transmitter output power to 1 watt or less.
- (d) Each equipment designed for operation on single frequency channels be capable of simplex operation throughout the band 156.300 to 156.875 MHz.
- (e) Each equipment designed for operation on two frequency channels should be capable of simplex and semiduplex operation throughout the bands as follows :  
156.025 to 157.425 MHz for Transmitting & 160.625 to 162.025 MHz for Receiving. In addition, facilities for duplex operation on two frequency channels are recommended.

The following additional schedule be added after the Eleventh Schedule, viz :—

#### THE TWELFTH SCHEDULE

[See rule 16(6)]

#### ENDORSEMENT CERTIFICATE

##### 1. Endorsement Course :

The course leading to the endorsement certificate for Radio Officers shall be conducted by an approved institution for a duration of not less than three days.

##### 2. The syllabi for the course shall be as follows :

- (a) the provision of radio services in emergency including :
  - (i) Abandon ship
  - (ii) Fire aboard ship
  - (iii) Partial or full breakdown of the radio station.
- (b) the operation of lifeboat and liferafts and their equipment with special reference to portable and fixed lifeboat radio apparatus and emergency position indicating radio beacons.

Insert here }  
limitations  
or "none" as }  
appropriate .....

Date of issue of this endorsement .....

(Official Seal)

Date of birth of the holder of the Certificate .....  
Signature of the holder of the Certificate .....

\*Use one line or the other

\*\*Delete as appropriate

\*\*\*Insert Convention grade or class of Certificate.

- (c) fire prevention and fire fighting with particular reference to the radio installation.
  - (d) preventive measures for the safety of ships and personnel in connection with hazards related to radio equipment including electrical radiation, chemical and mechanical hazards.
  - (e) the use of the IMO Merchant Ship Search and Rescue Manual (MERSAR) with particular reference to radio communications.
  - (f) ship position-reporting systems and procedures.
  - (g) the use of the International Code of Signals and the IMO Standard Marine Navigational Vocabulary.
  - (h) Radio medical system and procedures.
  - (i) Global Maritime Distress and Safety system and its implementation.
  - (j) The worldwide navigational warning system.
3. Endorsement Certificate shall be in the following form :

#### ENDORSEMENT OF CERTIFICATES

(Official Seal)

(Country)

Issued under the provisions of the  
INTERNATIONAL CONVENTION ON STAN-  
DARDS OF TRAINING, CERTIFICATION AND  
WATCHKEEPING FOR SEAFARERS, 1978

The Government of (Name) certifies  
Either\*

I, the undersigned certify

that the present Certificate/Certificate No. ....  
.....\*\* is issued to .....(full name of person), who has been found duly qualified in accordance with the provisions of Regulation..... of the International Convention on Standards of Training, Certification and Watchkeeping for Seafarers, 1978, as..... \*\*\*with the following limitations only :

Signed .....

(Name and signature of duly authorised official)

4. Application shall be in the following form.—

**APPLICATION FOR AN ENDORSEMENT OF CERTIFICATE FOR OFFICERS**

1. Name : \_\_\_\_\_
2. CDC/Passport Number : \_\_\_\_\_
3. Certificate of Proficiency
- Grade: \_\_\_\_\_
4. Date of Passing Examination : \_\_\_\_\_
5. Valid till : \_\_\_\_\_
6. Date of last Endorsement of Certificate : \_\_\_\_\_
7. Additional Certificates : \_\_\_\_\_

Certificate	Number	Dt. of Issue	Issuing Authority
1	2	3	4
1. Endorsement			
2. Fire Fighting			
3. Survival Craft			
4. First Aid			
8. Sea Service for the last Five years.			

Name of Ship	O. Number	Port of Registry	Type of Ship	Capacity of Shipservice	Period of Service From T,	Remarks
1	2	3	4	5	6	7

9. Details of service performed, other than on board ship, during the last 5 years?

.....
.....
.....

10. I hereby declare that the information given above is correct and true to the best of my knowledge and belief.

Date :

Signature of Applicant.

Note : Any person who makes an false representation or knowingly gives any false representation is liable for punishment of cheating under Section 182 and 420 of Indian Penal Code.

11. The testimonials in support of proof of service and the certificates, as mentioned above submitted by the applicant, were scrutinised and found to be in order. A fee of Rs. 100/- for issue of endorsement certificate received on.....

The endorsement certificate issued on.....

\*The application is forwarded to Chief Examiner for decision.

Date :

Principal Officer  
Mercantile Mpt. Dept,

\*Delete if not applicable.

12. An endorsement certificate may be issued for a period of ..... months with effect from .....

Dated: ..... Chief Examiner of Masters & Mates.

13. An endorsement certificate valid for ..... months with effect from .....

Dated: ..... Chief Examiner of Masters & Mates.

Principal Officer  
Mercantile Marine Dept.

Note: (1) One copy of the application form duly completed to be sent to the Chief Examiner for record.

[F.No. SR/11013/2/91-M.A.]  
K. PADMANABHACHAR, Under Secy,

Note : The principle rules were published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (i) at pages 38-81 vide Govt. Notification, Ministry of Shipping & Transport (Shipping Wing), New Delhi, G.S.R. 15 (E), dated 7(h) Jun., 1983.